

## उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परचिति कराने का अवसर

### चर्चा में क्यों ?

22 जनवरी को हुए राम मंदिर प्राण प्रतष्ठिता कार्यक्रम के महत्त्व पर जोर देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कयिह बहुप्रतीकषति समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परचिति कराने का एक अवसर है ।

### मुख्य बदि:

- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नमिनलखिति नरिदेश दयि थे :
  - रामलला की बालरूपी मूर्तिकी प्राण प्रतष्ठिता का यह बहुप्रतीकषति समारोह उत्तर प्रदेश को अपनी आतथिय संस्कृति से परचिति कराने का एक अवसर है ।
  - शरी अयोध्या धाम को सगिल यूज प्लास्टकि से मुक्त करने का प्रयास कयिा जाना चाहयि ।
  - प्राण प्रतष्ठिता कार्यक्रम में 'नव्य-दविय-भव्य' मंदरि पर पुषप वर्षा का कार्यक्रम है ।
  - रामलला की बाल स्वरूप मूर्तिकी प्राण प्रतष्ठिता के बहुप्रतीकषति कार्यक्रम में देश-वदिश से मेहमान आ रहे हैं ।
  - इसमें भारत के सभी प्रांतों से संत-महात्माओं, धर्मगुरुओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थति रहेगी ।
  - इस अवसर पर भाग लेने हेतु आने वाले महानुभावों की सुरक्षा एवं सम्मान के पुख्ता इंतज़ाम कयि गए । हर वीवीआईपी के साथ एक लाइज़नगि ऑफसिर तैनात कयिा गया ।
  - इसमें ऐसे लोगों को तैनात कयिा गया जो शरी राम जन्मभूमि मुक्त यिज्ज और अयोध्या जी के पौराणकि, ऐतहिसकि तथा भौगोलकि महत्त्व से परचिति थे ।
  - अयोध्या जी को वभिन्न जनपदों से जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर पार्कगि की पर्याप्त व्यवस्था की गई ।
  - आगंतुकों के परविहन के लयि इलेक्ट्रिकि बसों की पर्याप्त उपलब्धता थी ।